वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 183 | सोमवार 30 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महाराष्ट्र से प्याज की आवक घटी

थोक में 40 से 60 रूपए किलो बिका, अब अलवर से आवक बढ़ने के बाद ही सामान्य होंगे भाव

जयपुर. कासं। शहर की सब्जी मंडियों में प्याज की आवक घटते ही इसके भावों में बढ़ोतरी हो गई है। 10 दिन पहले जो प्याज 20 से 30 रुपए किलो थोक में बिक रहा था, वो अब 40 से 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। वहीं, खुदरा में 70 से 80 रुपए किलो बिक रहा है। थोक व्यापारी इसके पीछे कारण बता रहे हैं कि

महाराष्ट्र नासिक से प्याज की 200 टन तक आवक कम होने से भावों में बढ़ोतरी हुई है। नासिक इलाके में ही अब प्याज का स्टॉक रह गया, ऐसे में वो अभी बेचने के लिए कम निकाल रहे हैं। हालांकि कर्नाटक, जयपुर आसपास, जोधपुर मथानिया से भी प्याज की आवक तो हो रही है, लेकिन मांग के मुकाबले कम है। अभी मुहाना टर्मिनल मार्केट में प्याज की करीब 350 से 400 टन के बीच आवक हो रही है, जबकि खपत 500 टन से ऊपर है। मुहाना आलू आढ़तिया संघ के अध्यक्ष शिव शंकर शर्मा ने बताया कि अलवर का प्याज निकलने लग गया है, दो हफ्ते में जयपुर तक भी आवक शुरू हो जाएगी। इससे उम्मीद है कि भावों में गिरावट आएगी। अभी महाराष्ट्र से 100 टन, कर्नाटक से 100 टन, जोधपुर से 100 टन, जयपुर आसपास से 50 टन व एमपी से 50 टन प्याज की रोजाना आवक हो रही है। कर्नाटक से भी अभी शुरूआात हुई है, दिवाली तक आवक बढ़ जाएगी।

8 राज्यों की 9 लोक नृत्य विधाएं हुई साकार

जेकेके में 26वें लोकरंग महोत्सव का आगाज, 230 कलाकारों ने पहले दिन दी प्रस्तुति

जयपुर. कासं

जयपुर लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया। देश के विराट लोक सांस्कृतिक स्वरूप को साकार करने वाले 26वें लोकरंग महोत्सव का रविवार को आगाज हो गया। 230 कलाकारों ने पहले दिन प्रस्तुति दी। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित 11 दिवसीय उत्सव 8 अक्टूबर तक जारी रहेगा। राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह में प्रतिदिन मध्यवर्ती में विभिन्न प्रदेशों से आए लोक कलाकार प्रस्तुति देते नजर आएंगे। इसी के तहत शिल्पग्राम में राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में हस्तशिल्पियों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है। शिल्पग्राम में लोकरंग के उद्घाटन के दौरान शहनाई, नगाड़े, कच्छी घोड़ी के कलाकारों ने अपनी छटा बिखेरी। जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत और गाते-झूमते कलाकारों ने लोकरंग का ध्वज फहराकर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान अन्य प्रशासनिक अधिकारी और कला प्रेमी मौजूद रहे। शिल्पग्राम में राम प्रसाद ने कच्छी घोड़ी, भूंगर खान मांगणियार और ग्रुप ने मांगणियार गायन, मीरा सपेरा ने कालबेलिया नृत्य, राम जोशी ने बम रसिया और लतीफ खान मांगणियार ने गायन प्रस्तुति दी। नट, कठपुतली, बहुरूपियों को देखकर लोग रोमांचित हो उठे। इसके बाद मध्यवर्ती में राष्ट्रीय नृत्य समारोह की महफिल सजी। मंच पर 8 राज्यों की 9 लोक विधाओं की प्रस्तुति हुई। पश्चिमी राजस्थान में प्रचलित मशक वादन की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। श्रवण गेगावत ने पधारो म्हारे देश व अन्य राजस्थानी गीत मशक पर बजाए। खड़ताल, हारमोनियम, ढोलक पर अन्य कलाकारों ने संगत की। इसके बाद चरी नृत्य और गुजरात के बेडा रास की प्रस्तुति हुई। उत्तराखंड के कलाकारों ने छोलिया नृत्य पेश किया। कुमाऊं अंचल की यह विधा छलिया नृत्य के नाम से भी प्रसिद्ध है। युद्ध के लिए जाते समय किया जाने वाला नृत्य अब विवाहों में बारात का हिस्सा बन गया है। पुरुष हाथों में तलवार व ढाल लेकर लोक वाद्य यंत्रों की धुनों पर नृत्य करते हैं। जम्मू-कश्मीर में विवाह के अवसर पर किए जाने वाले जागरणा नृत्य के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा, महिलाओं द्वारा किए जाने वाले इस नृत्य में पारिवारिक नोंक-झोंक नजर आती है। इसके बाद गुजरात के मिश्र रास ने माहौल को कृष्णमय कर दिया।

एफबीएस मेम्बर्स ने सेलिब्रेट की दिवाली हैलोवीन पार्टी

दो टीमों में डिवाइड हुई मेम्बर्स, क्वीन ऑफ हर्ट्स और स्पूकी क्वीन्स थीम पर आई नजर

जयपुर. कासं

फिट बॉडी एंड सोल वुमन नेटवर्किंग फोरम ने अपने मेंबर्स के साथ फेस्टिव मीट आयोजित की गई। सी-स्कीम स्थित ड्योरा में दिवाली स्पेशल इवेंट हैलोवीन पार्टी आयोजित हुई। इसमें फएबीएस की मेम्बर्स ने इसे खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। इस पार्टी में मेंबर्स को दो टीम में डिवाइड की गई थी। इसमें मेम्बर्स क्वीन ऑफ हर्ट्स और दूसरी टीम हैलोवीन के अवतार वाली स्पूकी क्वीन्स के रूप में तैयार होकर आई। सभी मेंबर्स को अपनी तरीके से क्वीन के अवतार में आना था। हैलोवीन क्वीन की टीम वाले मेंबर्स स्पूकी क्वीन या चुड़ैल के गेट अप में आए । क्वीन ऑफ हर्ट्स टीम के मेंबर्स रेड दिवाली थीम में आए। फोरम की फाउंडर मेघा गुप्ता ने बताया इस साल दिवाली और हैलोवीन साथ होने से एफबीएस ने ये अनोखी थीम वाली नेटवर्किंग पार्टी अपने मेंबर्स के ऑर्गेनाइज की। प्राची खंडेलवाल और डॉ ऋचा शर्मा ने बताया कि हर महीने कुछ अलग लाने की हमेशा कोशिश रहती है। वैशाली मोदी ने सबके लिए स्पेशल फोटोशूट कराया। शेफाली जैन और रितु अग्रवाल ने सभी को मजेदार गेम्स खिलाए। क्रिएटिव क्लासी क्राफ्ट्स की पूजा माखीजा ने सभी मेंबर्स का फेस पेंट करके थीम में चार चांद लगा दिए।

धर्म रक्षा समिति की बैठक आयोजित

तीर्थों और संतो की सुरक्षा को लेकर हुआ चुनावी मंथन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। धर्म रक्षा समिति द्वारा चुनाव में जैन समाज की भूमिका एवम तीर्थों व संतो की रक्षा जेसे विषय पर दूसरी बड़ी बैठक छत्रपति नगर शिव मंदिर सभागृह में संपन्न हुई । जैन समाज के तीर्थों पर पिछले 10 वर्षों में कब्जे के प्रयासों की घटनाएं व संतो पर हमलों की घटनाओं पर चिंतित समाज की चुनाव में भूमिका क्या हो इस पर विभिन्न संगठनों, प्रमुखों ने अपनी बात रखी। मनीष अजमेरा, संजय बाकलीवाल व राजेश जैन दद्दू सुनील गोधा के आव्हान पर व गोलू जैन , कैलाश अजमेरा के सह संयोजन में आयोजित बैठक में वक्ताओ ने इस अवसर पर कहा की एक तरफ राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की जोड़ने वाली विचार धारा है तो दूसरी ओर गोडसे की तोड़ने वाली विचार धारा । पिछले 70 वर्षो में एक और जिस पार्टी ने समाज को देने का काम किया वही पिछले 10 वर्षों में जैन समाज के तीर्थों पर वर्तमान सत्ता धारी पार्टी द्वारा कब्जे के प्रयासों को संरक्षण दिया जा रहा है। समाज के सामने यह महत्वपूर्ण प्रश्न है की संलेखना , मयूर पीछी पर रोक और स्वच्छता के नाम पर संतो की शौच की प्रक्रिया पर रोक लगाने जेसे षड्यंत्र इन 10 वर्षों में किस सत्ता के चलते रचे गए है। तीर्थ राज सम्मेद शिखर को पर्यटक स्थल बनाने, गिरनार पर कब्जे और गिरनार पर्वत के विकास के नाम पर करोड़ों की घोषणा , पर्वत का नाम गिरनार पर्वत से बदलने का षड्यंत्र भाजपा सरकार द्वारा ही किया गया हैं। पिछले 70 वर्षो में कभी किसी तीर्थ पर कब्जा नही हुआ, कांग्रेस ने जैन समाज को कई शीर्ष नेतृत्व दिए , प्रकाशचंद सेठी , मिश्रीलाल गंगवाल , ललित जैन , बाबूलाल पाटोदी जेसे नेतृत्व कर्ता रहे । विधानसभा , नगर निगम चुनावों में भी सर्वाधिक रूप से कांग्रेस ने ही जैन समाज को प्रतिनिधित्व हमेशा दिया हे । इस बार भी सर्वाधिक रूप से दिया है। ऐसे में समाज के सामने धर्म और संस्कृति की रक्षा का प्रश्न सर्वोपरि हे। समाज के संत आचार्य विद्या सागर जी , सुधा सागरजी , पुलक सागर जी जेसे संतो की मुखर वाणी भी इस बात की ओर इंगित कर रही हे की अपने धर्म , तीर्थ और श्रमण संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को चिंतन कर सही फैसला लेना चाहिए।

बैठक में पहुंची अंजली संजय शुक्ला

बैठक में विधानसभा 1 के कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला की धर्म पत्नी अंजलि संजय शुक्ला भी पहुंची और समाज जनों से संवाद भी किया । इस अवसर पर अंजली शुक्ला ने कहा की तीर्थों की सुरक्षा और संतो की सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रही हे और संजय शुक्ला जी दृढ़ संकल्पित है की प्रत्येक धर्म , जाती के तीर्थ की पवित्रता बनी रहे। तीर्थों और संतो की रक्षार्थ कांग्रेस की रीति नीति रही हे । राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार ने जिस प्रकार जैन बोर्ड की सौगात जैन समाज को दी हे ठीक उसी तरह मध्यप्रदेश में भी जैन बोर्ड का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनुरोध जैन अशोक पाटनी , डॉ जैनेन्द्र जैन एम के जैन ,पूर्व पार्षद सुरेश मिंडा , पवन जैन ,साक्षी शुक्ला डागा , सोनाली बागढिया कैलाश जैन नेताजी , संजय जैन ,सुनील पहाड़िया , डाक्टर जैनेंद्र जैन , ,प्रकाश चंद जैन , कपिल काला , राकेश गोधा , अनिल जैन , विजय सेठी , कमल जैन , दिलीप बज, महावीर गोधा , धन्ना लाल जैन , भूपेंद्र जैन , अंकित जैन , महिपाल जैन , वीरेंद्र जैन , रमेश जैन , अंकुर जैन , विनोद गंगवाल , राजेश जैन अज्जू, ममता नायक , आशा जैन , राजेंद्र जैन , मुन्ना लाल जैन , विजय काला , विजय व्यास , अंकित जैन , सौरभ जैन , विकास जैन, अभिषेक जैन, जितेंद्र बड़जात्या, अनुज सोनी, राजेश जैन, अनिल सिंघाई, प्रकाश पांड्या, रश्मि गोधा, सहित बड़ी संख्या में समग्र जैन समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभा का संचालन मनीष अजमेरा ने किया।

बालेसर में रक्तदान शिविर आयोजित

शिविर में कुल 112 यूनिट रक्त एकत्रित

बालेसर. शाबाश इंडिया। बालेसर के समता भवन में रविवार 29 अक्टूबर 2023 को श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ बालेसर के तत्वावधान में आयोजित ''महत्तम महोत्सव'' आचार्य श्री रामेश आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष में ब्लड डोनेशन कैंप में युवाओं द्वारा ब्लड डोनेशन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस कैंप में एमपीएस इंग्लिश अकैडमी बालेसर के मोहन सिंह विजयपाल सिंह हिंगलाज चारण, गजानंद ,दीपक पारीक, राजेंद्र सैनी, जालम सिंह आदि ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस मौक पर डोनेशन कैंप में शेरगढ़ के पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़, जसवंत सिंह इंदा देवातु, पुखराज सांखला, प्रकाशचंद सांखला, गोतमचंद,रतनलाल, पारसमल, महावीर जैन, राकेश जैन, रविन्द्र जैन, प्रमोद जैन, जयेश जैन, अनिल जैन, ज्ञानेश जैन, कैलाश चंद सोनी, सुरेश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

पूर्व भाजपा सांसद ने जैन साधुओं और यात्रियों के सर काटने की दी धमकी

जैन समाज में आक्रोश, प्रधानमंत्री और गुजरात सरकार से मांग तत्काल हो गिरफ्तार

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जनता पार्टी के नेता और दिल्ली से 2014-19 तक सांसद रहे महेश गिरी इन दिनों साधु भेष धारण कर गुजरात स्थित जूनागढ़ के गिरनार पर्वत पर दत्तात्रय की सेवा में लगे हुए है, गिरनार पर्वत जैन श्रद्धालुओं का भी तीर्थ स्थल है, पर्वत के अधिकार को लेकर लंबे वर्षो से जैन और दत्तात्रय समुदाय में विवाद चल रहा है जिसका आजतक ना गुजरात सरकार ने कोई समाधान निकाला है और ना ही केंद्र सरकार ने कोई समाधान निकाला है। जैन समाज का कहना है गिरनार पर्वत जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली है जो महाभारत काल में अपनी तप और आराधना के लिए इस पर्वत पर आए थे और इसी पर्वत से उन्हे मोक्ष की प्राप्ति हुई थी, ठीक इसी तरह दत्तात्रय समाज भी अपना अधिकार जमाते है और पर्वत पर स्थापित चरण स्थली को दत्तात्रय की स्थली मानकर ना केवल जैन श्रद्धालुओं के साथ बुरा बर्ताव करते है बल्कि उनसे पैसे, सामग्री छीनकर उनके साथ मार-पिटाई भी करते है वर्ष 2013 में भाजपा नेता और दत्तात्रय समाज के साधु महेश गिरी की सह पर यह लोग मुनि प्रबल सागर महाराज पर कातिलाना हमला भी कर चुके है जिसके बाद पूरे देशभर में आंदोलन खड़ा हुआ था, जिस पर भारतीय जनता पार्टी को कार्यवाही करनी चाहिए थी तब भाजपा महेश गिरी दिल्ली से लोकसभा सांसद का टिकट देकर इनाम दिया था। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू का कहना है कि गिरनार पर्वत पर जैन श्रद्धालु भगवान नेमीनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली पर दर्शनों के जाते है किंतु हर तीर्थ स्थल पर कब्जा किए दत्तात्रय समाज के लोग और साधु जैन श्रद्धालुओं के साथ बुरा बर्ताव करते है, इन दिनों इस मसले पर लेकर लगातार जैन समाज सक्रिय है और प्रत्येक प्लेट फार्म पर अपनी बात रख रहा है, विगत दिनों महेश गिरी ने सनातन धर्म के नाम कुछ साधुओं को एकत्रित कर 28 अक्टूबर सम्मेलन करने की घोषणा की थी, शनिवार को सम्मेलन के दौरान मंच से पूर्व सांसद महेश गिरी साधु का भेष धारण कर खुलेआम जैन श्रद्धालुओ और साधुओं को धमकी देते हुए कहता है कि जो भी जैन और नागा बाबा गुरु शिखर पर जायेगा वह उनके सर धड़ से अलग कर देगे और सनातन धर्म की रक्षा करेंगे। जैसे ही महेश गिरी का यह वीडियो समाज के वायरल हुआ तो सम्पूर्ण देशभर के जैन समाज में आक्रोश उत्पन्न हो गया। **अभिषेक जैन बिट्टू @ मो - 9829566545**

भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न, शोभायात्रा निकाली

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। उपखंड क्षेत्र की ग्राम मगिसपुर में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर की अष्टकुमारिया द्वारा वेदी शुद्धि के बाद वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम रविवार को आनन्द पूर्वक, भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि पिड़ावा से 17 किलोमीटर दुर मगिसपुर में जैन समाज का अति प्राचीन मन्दिर की वेदी में जिर्णोद्धार मरम्मत करने के बाद रविवार को भव्य वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ 108 श्री सुव्रत सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद व पंडित राजकुमार जैन पिड़ावा के पावन निर्देशन में आनन्द पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातःकाल भगवान का अभिषेक, शान्ति धारा, नित्य नियम की पूजन, याग मण्डल विधान संगीतमय के साथ किया गया। उसके बाद भगवान पार्श्वनाथ, शान्ति नाथ भगवान को सिर पर रखकर गांव में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रावक, श्राविकाये भक्ति करते हुवे चल रहे थे। उसके बाद भगवान पर अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात मूलनायक भगवान श्री पार्श्वनाथ भगवान को नवीन वेदी में विराजमान राजेन्द्र कुमार जैन, शुभम कुमार जैन मगिसपुर वाले परिवार की ओर से किया गया। उसके बाद पिड़ावा, पाटन, भवानीमण्ड़ी, कड़ोदिया, नलखेड़ा, उज्जैन, कोटा सुसनेर, सुनेल, मिश्रोली आदि स्थानों से आये श्रावक श्राविकाओं ने वात्सल्य भोजन किया गया। इस अवसर पर मगिसपुर कमेटी कमलेश जैन, मनोज जैन, नरेंद्र जैन, नरेश जैन, कवि अनिल उपहार, दिनेश जैन, अभय कुमार जैन, सकल दिगम्बर जैन समाज पिड़ावा अध्यक्ष अनिल चेलावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

क्रोध मान माया लोभ करने से कुछ नहीं मिलने वाला : आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक (राज.) में विराजमान है। पूज्य माताजी के दर्शनार्थ जगह जगह से यात्रियों का तांता लगा रहता है। पूज्य माताजी ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि - क्रोध मान माया लोभ करने से कुछ नहीं मिलने वाला। आज परिवार क्यों टूटते जा रहे हैं इसी क्रोध के कारण। मंदिर में भगवान के दर्शन से कर्म कटते हैं और हम सभी मंदिरों में आकर लडते हैं पाप कर्म जोड़ते हैं। मेरा आप सभी से कहना चाहे घर हो परिवार देश राष्ट्र या मंदिर एकता बनाकर क्षमा धारण करें जिससे एकता भी बनी रहे और आत्मा में भी कर्म परमाणुओं की निर्जरा हो। पूज्य माताजी के मुखारविन्द से आज की अभिषेक शांतिधारा करने का परम अवसर मंजू विज्ञान नगर कोटा, लालचंद शिवाड़ वाले निवाई, राकेश मालवीय नगर जयपुर देवेंद्र निवाई वालों ने प्राप्त किया।

अखिल भारतीय आचार्य ज्ञान सागर जैन छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह आज

मुरैना जिले से बड़ी संख्या में प्रतिभाएं आयोजन में शामिल होने पहुंची

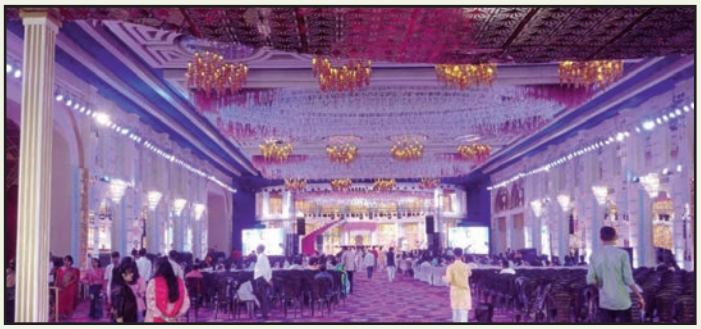

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। अखिल भारतीय ज्ञानार्ष भक्त परिवार एवं ज्ञानार्ष वर्षायोग समिति सकल दिगम्बर जैन समाज ओल्ड ईदगाह कॉलोनी आगरा द्वारा संपूर्ण जैन समाज की प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर आज सोमवार को जैन समाज के भविष्य ज्योति प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले युवक युवतियों को भी सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन आगरा में राजदेवम द मून वैली फतेहाबाद रोड पर आयोजित किया जाएगा, जिसमे बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी, राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति एवं पूर्व महापौर नवीन जैन शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई है कार्यक्रम के प्रथम दिवस रविवार को करियर काउंसलिंग आयोजित की गई जिसमें रीतेश जैन, डॉक्टर श्रीमती तनु जैन एवं विमल जैन सीए द्वारा मौजूद छात्र-छात्राओं को भविष्य के करियर हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही शाम 7:00 बजे प्रसिद्ध भजन गायक विक्की डी पारीख द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौरतलब है कि समाधिस्थ जैन संत आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज की अंतिम दीक्षित शिष्या आर्षमती माता जी लगातार सामाजिक सरोकारों को लेकर अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वहन करती आ रही है।

वेद ज्ञान

भाषा मनुष्य के लिए माध्यम

भारत की सबसे बड़ी खोज भाषा के बारे में है। भाषा मनुष्य के लिए साधन नहीं है। भाषा एक माध्यम है जिसमें मनुष्य के मस्तिष्क की तरंगें उठती हैं। मनुष्य चाहे या न चाहे, उसकी बोली या मन के चिंतन के रूप में भाषा निस्सृत होती ही रहती है। भाषा का व्यवहार करते हुए मनुष्य को लगता अवश्य है कि वह भाषा का स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर रहा है, लेकिन वह इस कारण है कि व्यक्ति के रूप में उसकी चेतना भाषा के माध्यम में ही अपने आपको पहचानती है। भाषा से घिरा रहने वाला व्यक्ति मान लेता है कि और लोग जो बात कह रहे हैं उसे वह वैसा ही समझ रहा है और जो वह कह रहा है उसे वे वैसा ही समझ रहे हैं। यह बहुत बड़ा भ्रम है। यह भाषिक व्यवहार केवल सामान्य समझ के स्तर पर होता है जिसके सहारे दुनिया चलती है। इस स्तर पर शब्दों के निश्चित अर्थ निर्धारित करने का प्रयास नहीं किया जाता। परिणामतः इसमें अपने विचारों को छिपाने और दूसरों को धोखा देने की पूरी संभावना रहती है। हमारे राजनेता और धार्मिक गुरु जो बात कहते हैं वह प्रायः सच्चाई से बहुत दूर होती है। भाषा में निश्चित अर्थ केवल संख्यावाची शब्दों और संख्याओं में परिभाषित शब्दों के होते हैं। ऐसे शब्दों के आधार पर विज्ञान और तकनीक का विकास होता है। इन क्षेत्रों में लोग एक दूसरे की बात समझते हुए परस्पर सहयोग कर सकते हैं। पर ऐसे शब्दों से अलग, सामान्य समझ पर आधारित शब्दों का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपना-अपना होता है और यह अर्थ बदलता रहता है। हमारे जीवन में भ्रम प्रायः इस कारण होता है कि हम उन क्षेत्रों में भी दूसरों पर निर्भर रहते हैं जिनमें हमें स्वयं अपने आप अपने लिए चिंतन करना चाहिए। केवल दूसरों के चिंतन पर निर्भर रहकर हम मानसिक रूप से कैदी बन जाते हैं। विचारों की इस जेल में हमें सुरक्षा महसूस हो सकती है, पर जल्दी ही हम अपने आपको दिशाभ्रमित हुआ पाते हैं। चिंतन करना मनुष्य के लिए बहुत स्वाभाविक है, पर उसके साथ ही चिंतन की सीमा को समझना भी आवश्यक है। हमें विचारों को स्पष्टता से कहना आना चाहिए और अपने जीवन को समझने और उसे सही दिशा में ले जाने के लिए हमें भाषा और अपने चिंतन की प्रकृति को जानना चाहिए।

संपादकीय

भारत को कूटनीतिक प्रयास करने की जरूरत

कतर की अदालत द्वारा भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाए जाने को लेकर भारत सरकार की चिंता स्वाभाविक है। ये सभी अधिकारी कतर की एक निजी नौसेना कंपनी में नौकरी करने गए थे। वह कंपनी कतर की नौसेना को प्रशिक्षण देती है। मगर पिछले साल कतर पुलिस ने इन अधिकारियों को इस आरोप में गिरफ्तार कर लिया कि वे इजराइल के लिए कतर की पनडुब्बी परियोजना की जासूसी कर रहे थे। इन्होंने कई बार जमानत की अर्जी लगाई, मगर हर बार उसे खारिज कर दिया गया। अब वहां की अदालत ने इन अधिकारियों को फांसी की सजा सुना दी है। भारत सरकार का कहना है कि वह उनके परिजनों से लगातार संपर्क में है और कतर में उन्हें जो भी राजनयिक मदद मुहैया कराई जा सकती है, सब कराई जाएगी। हालांकि कतर की तरफ से इन अधिकारियों के संबंध में भारत को कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। कतर की अदालत के इस फैसले को लेकर

स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच इस फैसले को भारत के विरुद्ध बदले की भावना से उठाए गए कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ लोग इसमें पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आइएसआइ की साजिश भी मान रहे हैं। कतर कट्टर इस्लामिक देश है। आपराधिक मामलों को लेकर वहां के कानून बेहद सख्त हैं। जासूसी के लिए वहां के कानून के मुताबिक फांसी की सजा मुकर्रर है। अब भारत सरकार का नैतिक दायित्व है कि वह अपने नागरिकों के बचाव में अंतरराष्ट्रीय अदालत में अपील करे। हालांकि यह कोई पहला या अनोखा मामला नहीं है। ज्यादातर देश अपने यहां काम कर रहे विदेशी नागरिकों को शक की नजर से देखते हैं। खासकर दुश्मन देश के नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगा कर सजा सुनाने के मामले अक्सर सामने आ जाते हैं। पाकिस्तान कई बार भारतीय नागरिकों को जासूस बता कर सजा सुना चुका है, मगर भारत सरकार ने उससे निपटने की हर कोशिश की है। हालांकि कतर के साथ भारत के वैसे संबंध नहीं हैं, जैसे पाकिस्तान से हैं। कतर की कुल आबादी का करीब एक चौथाई हिस्सा भारतीय नागरिकों का है, जो वहां काम करते हैं। कतर भारत का सबसे बड़ा गैस निर्यातक है। इस तरह दोनों के बीच कभी कोई तल्खी भी नहीं देखी गई। मगर हाल के कुछ वर्षों में जैसी स्थितियां बनी हैं और इजराइल से भारत की नजदीकी बढ़ी है, उसमें कतर का रुख कुछ बदला हुआ नजर आने लगा है। कतर फिलिस्तीन का समर्थक है और इजराइल उसे फूटी आंखों नहीं सुहाता। वह इस्लाम के विरुद्ध किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं करता। ऐसे में जब भारत ने हमास के हमले की निंदा की, तो उसे नागवार गुजरा होगा। फिर मध्यपूर्व से होकर भारत के व्यापारिक मार्ग खुलने को लेकर भी वह नाखुश रहता है। पाकिस्तान से उसकी काफी नजदीकी है। इसलिए पाकिस्तान के उकसावे के कयास को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नियुक्ति और समय

सरकारी नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया यों भी जटिल और कई बार बेवजह लंबी होती है। उसके बाद भी नियुक्ति पत्र मिलने, प्रशिक्षण और तैनाती में समय लग जाता है। तिस पर अगर किसी अभ्यर्थी को चयन हो जाने और वरीयता क्रम हासिल करने के बाद कहा जाए कि उसके पास संबंधित पद की अर्हता न होने की वजह से उसकी नियुक्ति रद्द की जाती है, तो उस पर क्या गुजरेगी, समझा जा सकता है। ऐसे ही एक व्यक्ति का अट्ठाईस वर्ष पहले डाक विभाग में चयन हुआ था, मगर प्रशिक्षण से पहले कहा गया कि उसके पास उचित डिग्री नहीं थी। स्वाभाविक ही उस व्यक्ति ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में गुहार लगाई। करीब चार वर्ष सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने अभ्यर्थी के पक्ष में फैसला सुनाया। उसके बाद डाक विभाग ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उस फैसले को चुनौती दी। करीब सत्रह वर्ष सुनवाई के बाद वहां से भी अभ्यर्थी के पक्ष में फैसला आ गया। तब डाक विभाग ने पुनर्विचार याचिका दायर कर दी। चार वर्ष बाद वह याचिका भी खारिज हो गई। तब डाक विभाग ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, मगर अब उसने भी साफ कर दिया है कि अभ्यर्थी को नियुक्ति मिलनी चाहिए। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन अट्ठाईस वर्षों में अभ्यर्थी को किन मानसिक तनावों से गुजरना और कैसे अपना गुजारा चलाना पड़ा होगा। किसी भी पद के लिए आवेदन मंगाए जाते हैं तो उसके लिए योग्यता और अनुभव आदि से संबंधित नियम और शर्तों का स्पष्ट उल्लेख होता है। आमतौर पर जो अभ्यर्थी उन शर्तों को पूरा करते हैं, वही आवेदन भेजते हैं। इसके बावजूद उन आवेदनों की छंटाई के लिए समिति बनाई जाती है, जो बारीकी से अनिवार्य शर्तों की जांच करती है। फिर उन्हीं अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए बुलाया जाता है, जो अंतिम रूप से विज्ञापित पद की अनिवार्य अर्हता रखते हैं। प्रतियोगी परीक्षा पास कर जाने के बाद भी हालांकि नियुक्ति पत्र देने से पहले अभ्यर्थियों के मूल प्रमाणपत्रों की जांच की जाती है और अगर किसी ने उनमें किसी तरह की धोखाधड़ी की होती है, तो स्वाभाविक ही न सिर्फ उसका नियुक्ति पत्र रोक दिया जाता, बल्कि कई बार उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाती है। मगर डाक विभाग के संबंधित मामले में चयन की अंतिम प्रक्रिया के बाद नियोक्ताओं ने पाया कि अभ्यर्थी ने दसवीं की परीक्षा व्यावसायिक वर्ग से उत्तीर्ण की थी। शर्तों में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं रहा होगा कि ऐसे वर्ग से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। जाहिर है, दोष संबंधित विभाग का था, न कि अभ्यर्थी का। मगर डाक विभाग की असावधानी की वजह से एक चयनित व्यक्ति को अट्ठाईस वर्षों तक भटकना पड़ा। हालांकि यह कोई अकेला मामला नहीं है, जब चयन की अंतिम प्रक्रिया के बाद भी अभ्यर्थी को इतने लंबे समय तक नियुक्ति पत्र के लिए संघर्ष करना पड़ा। कई राज्यों में राजनीतिक कारणों से किसी पद के लिए चयनित सारे के सारे अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र रोक दिए गए। उन्हें दुबारा उसी चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इस तरह अभ्यर्थियों के आठ-दस साल निकल जाते हैं। उनमें से कई युवकों की तो उम्र सीमा पार कर जाती है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐसे कई प्रकरण देखे जा चुके हैं। आखिर चयन प्रक्रिया को ऐसी काहिली, राजनीतिक संकीर्णता और अस्पष्ट नियम-शर्तों में उलझा कर रखने से रोजगार के लिए जद्दोजहद कर रहे युवाओं को ही खमियाजा भुगतना पड़ता है।

आत्मा का कल्याण ज्ञान दर्शन चारित्र की साधना से होगा : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। आत्मा का कल्याण ज्ञान दर्शन चारित्र से ही होगा। रविवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने स्वाध्यायो के सम्मान समारोह मे श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस मनुष्य मे ज्ञान दर्शन और चारित्र के गुण नहीं वह जीवन का निर्माण और आत्मा का कल्याण नहीं करवा सकता है। ज्ञान दर्शन और चारित्र की आराधना करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। साध्वी स्नेह प्रभा ने श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के बारवें अध्याय का अर्थ बतातें हुए कहा कि मनुष्य की पहचान जाति से नहीं उसके आचरण व्यहवार और गुणों होती है। जाति मनुष्य कितनी भी निची क्यों न हो पर कर्म अगर उसके उच्च के है तो ऐसे साधक पुरूष को जाति का बंधन भी मुक्ति के मार्ग मे बाधा नहीं बनता है और ऐसे सिध्द पुरूष को देवता भी शीश झुकाते है और उसके गुणागान करते है। साहुकार पेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया श्री एस.एस.जैन संघ साहुकारपेट के तत्वावधान मे साध्वी धर्मप्रभा के सानिध्य मे श्री दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ का स्वाध्यायी सम्मान समारोह रखा गया। समारोह के मुख्य अतिथि

सुभाषचन्द रांका,विशिष्ट अतिथि एम.अजिराज कोठारी की अध्यक्षा मे स्वाध्याय क्षेत्र मे सेवा देने वाले स्वाध्यायी भाई बहनों को स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष लाभचंद खारीवाल,जयंतीलाल कावेड़िया संयोजक दिलीप लोढ़ा,रिखब चंद लोढ़ा,सुरेश डूगरवाल, सज्जनराज सुराणा,हस्तीमल खटोड़,एन.राकेश कोठारी,शांतिलाल दरड़ा शम्भूसिंह कावड़िया आदि सभी ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ की उपस्थिति मे एक पच्चीस स्वाध्यायी को शोल माला और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।

श्री जी की विशाल रथयात्रा में भक्ति से सराबोर हुआ सांखना

दो दिवसीय वार्षिक मेले का समापन हुआ

सांखना, टोंक. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना में आयोजित 450वें वार्षिक उत्सव एवं दो दिवसीय मेला समारोह के तहत रविवार को प्रातः भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा कर नित्य नियम पूजा की गई वार्षिक उत्सव के तहत भगवान शांतिनाथ के प्रथम कलश दिनेश कुमार, द्वितीय कलश मोलिक बज के द्वारा अभिषेक किया गया। शान्तिधारा करने का सौभाग्य महेंद्र कुमार अशोक पाटनी को मिला। चतुष्कोण से अभिषेक करने का सौभाग्य निर्मल कुमार, राजेश सोनी, अशोक पाटनी, सत्येंद्र जैन, हर्षित जैन को मिला। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि वार्षिक उत्सव के तहत मंदिर प्रांगण में सुरेश कुमार सर्राफ,नीरू सर्राफ द्वारा झंडारोहण किया गया। तत्पश्चात श्री जी की विशाल रथयात्रा निकाली गई जिसमें श्री जी को रथ में लेकर बैठने के पुण्यार्जक राजकुमार छाबड़ा रहे एवं रथ का सारथी बनने का सौभाग्य शिखर चंद हार्दिक पाटोदी को मिला। रत्नों की वर्षा करने वाले कुबेर बनने का सौभाग्य बसंती लाल को मिला । श्री जी के चँवर ढूलाने वाले इंद्र बनने का सौभाग्य शिवम कुमार मौलिक जैन को मिला। मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि भगवान शांतिनाथ की विशाल रथयात्रा सम्पूर्ण सांखना गांव में

निकाली गई जिसमें बैंड-बाजे के साथ समाज के महिलाये सिर पर मंगल कलश धारण किए हुए एवं पुरुष केसरिया ध्वज हाथों में थामें चल रहे थे बैंड की मधुर धुनों पर भक्तजन भाव विभोर होकर नृत्य कर रहे थे रथ यात्रा का लोगों ने स्वागत कर अपने- अपने घरों के बाहर श्री जी की आरती उतारी एवं रथ यात्रा पर पुष्प वर्षा की रथ यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष झूमते नाचते गाते चल रहे थे गांव भ्रमण के पश्चात रथ यात्रा वापस मंदिर परिसर पहुंची जहां पर श्री जी को समोशरण में विराजमान कर श्री जी की भक्ति भाव के साथ पूजा कर अष्ट द्रव्य चढ़ाए गए उपस्थित भक्तों के जयकारों के बीच श्री जी का जलाभिषेक किया गया जलाभिषेक से प्राप्त गंदोधक को श्रद्धालूओ ने मस्तक पर लगा कर भगवान से आशीर्वाद लिया इस अवसर पर श्री जी की माला पहनने का सौभाग्य श्रावको को मिला। समिति अध्यक्ष प्रकाश सोनी ने बताया कि संपूर्ण मांगलिक क्रियाएं बिना किसी बोली के संपन्न की गई किसी भी मांगलिक क्रिया के लिए बोली नहीं लगाई गई अपितु मांगलिक क्रियाएं संपन्न करने हेतु पुण्यार्जक परिवारों का चयन णमोकार महामंत्र की माला फेरने के आधार पर किया गया जिसके तहत वार्षिक उत्सव में श्रद्धालुओं द्वारा आज एक लाख णमोकार महामंत्र की माला फेरने का संकल्प लिया गया। वार्षिक उत्सव में छान भरनी दुनी बंथली आवा नैनवा बूंदी कोटा निवाई टोंक जयपुर दिल्ली मुंबई आदि स्थानों से श्रद्धालु भारी संख्या में पधारे समापन अवसर पर अध्यक्ष प्रकाश सोनी, मंत्री प्यार चंद जैन एवं मंदिर समिति के सदस्यों ने सभी पधारे हुए अतिथियों का स्वागत व सम्मान कर धन्यवाद दिया एवं भगवान शांतिनाथ से आशीर्वाद लिया।

दुर्गापुरा में आचार्य विद्यासागर जी पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यासागर पाठशाला के बच्चों की प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्या सागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर में रविवार दिनांक 29 अक्टूबर 2023 को आचार्य विद्यासागर पर आयोजित बच्चों की प्रस्तुति कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति देने पर पुरस्कार वितरण किये। कार्यक्रम में रितिक भैया, राजेन्द्र कुमार जैन काला, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती चंदा सेठी, सहयोगी श्रीमती रिंकू सेठी व श्रीमती छवि जैन के साथ सभी स्वाध्यायी उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़, मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला एवं समस्त कार्य कारिणी ने आयोजन में प्रस्तुति देने वाले नन्हे मुन्ने बच्चों को हार्दिक धन्यवाद् एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

बिंदोरी एवं गोद भराई का भव्य कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा के अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी एवं मंत्री दिनेश काला ने बताया कि परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज और पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पूज्य श्रमणी गणिनी आर्यिका श्री 105 विशाश्री माता जी के कर कमलों द्वारा संघस्थ शिवा दीदी, रौनक दीदी, शैली दीदी और सपना दीदी को दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को कलकत्ता में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा दी जा रही है। दीक्षा से पूर्व इन चारों दीदियों की आज रविवार दिनांक 29 अक्टूबर को प्रातः 8.15 बजे भव्य बिंदोरी के साथ गोद भराई का कार्यक्रम श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में रखा गया। सभी गुरु मां भक्तो और साधर्मी बंधुओं परिवार जनो सहित ने बिंदोरी एवम् गोद भराई के इस मांगलिक कार्यक्रम के साक्षी बन पुण्यार्जन अर्जित किया। कार्यक्रम में श्री पार्श्वनाथ मंदिर झोटवाड़ा के समाज के साथ-साथ श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर पटेल नगर, श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर करघनी, श्री वासपूज्य दिगंबर जैन मंदिर निवारू रोड, मंढा भीम सिंह जैन समाज एवं अन्य स्थानों के जैन समाज ने भी सहभागिता निभाते हुए पुण्यार्जन किया। इस कार्यक्रम के लिए नमनकर्ता परिवार सतीश , सुरेश , सुगन पापड़ीवाला परिवार ने विशेष सहयोग रहा। मंदिर प्रबंध समिति, 'महिला मंडल, नवयुवक मंडल तथा बालिका मंडल सभी के इस पुण्यार्जन की बहुत-बहुत अनुमोदना करती है और प्रभु श्री पार्श्वनाथ भगवान से प्रार्थना करती है की यह पुण्यार्जन आपके जीवन में दिनोदिन यश और कीर्ति बढ़ावे।

आचार्य विद्यासागर एवं आर्यिका ज्ञानमती माताजी का शरद पूर्णिमा पर कामां अवतरण दिवस

कामां, भरतपुर. शाबाश इंडिया

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर कामां के शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर में जैन धर्म के सर्वोच्च संत आचार्य विद्यासागर महाराज का 77वां एवं सर्वोच्च साध्वी गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी का 90 वें अवतरण दिवस पर धर्म जागृति संस्थान कामा एवं ज्ञान विजया महिला मंडल द्वारा सँयुक्त रूप से भक्तामर महाअर्चना एवं गुणानुवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय सर्राफ ने अवगत कराया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आर्यिका ज्ञानमती माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया तो वहीं 48 दीपों से भक्तामर पाठ की महाअर्चना की गई। द्वय सन्तो का गुणानुवाद करते हुए धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि दोनों महान विभूतियों ने जैनत्व को नए शिखर पर पहुचाने के साथ साथ अनेकों परमार्थ के कार्य कर मील के पत्थर स्थापित किये है। जहां आचार्य विद्यासागर महाराज ने सबसे अधिक युवा सन्त दीक्षित कर जैन समाज पर उपकार किया है तो वही आर्यिका ज्ञानमती माताजी ने मांगीतुंगी में 108 फुट ऊची आदिनाथ भगवान की विशाल प्रतिमा विराजमान कर इतिहास गढ़ा है। इस अवसर पर रिंकू जैन ने कहा कि आचार्य ने गौ संवर्धन, प्रतिभास्थली,हथकरघा को बढ़ावा देकर स्वदेशी का अनुपम सन्देश दिया है। मनीषा जैन ने कहा कि द्वय सन्तो का ऋण जैन समाज द्वारा कभी नही चुकाया जा सकता उन्होंने इंडिया नही भारत बोलो अभियान प्रारंभ किया जो वर्तमान में साकार होता नजर आ रहा है। अनेक तीर्थो का जीर्णोद्धार करा जैन धर्म की धरोहरों को सहजने का अनुपम कार्य हुआ है। कार्यक्रम में मीना जैन, शकुंतला जैन, इंद्रा बड़जात्या, प्रदीप जैन आदि वक्ताओं ने भी सन्तो की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन महाआरती के साथ हुआ।

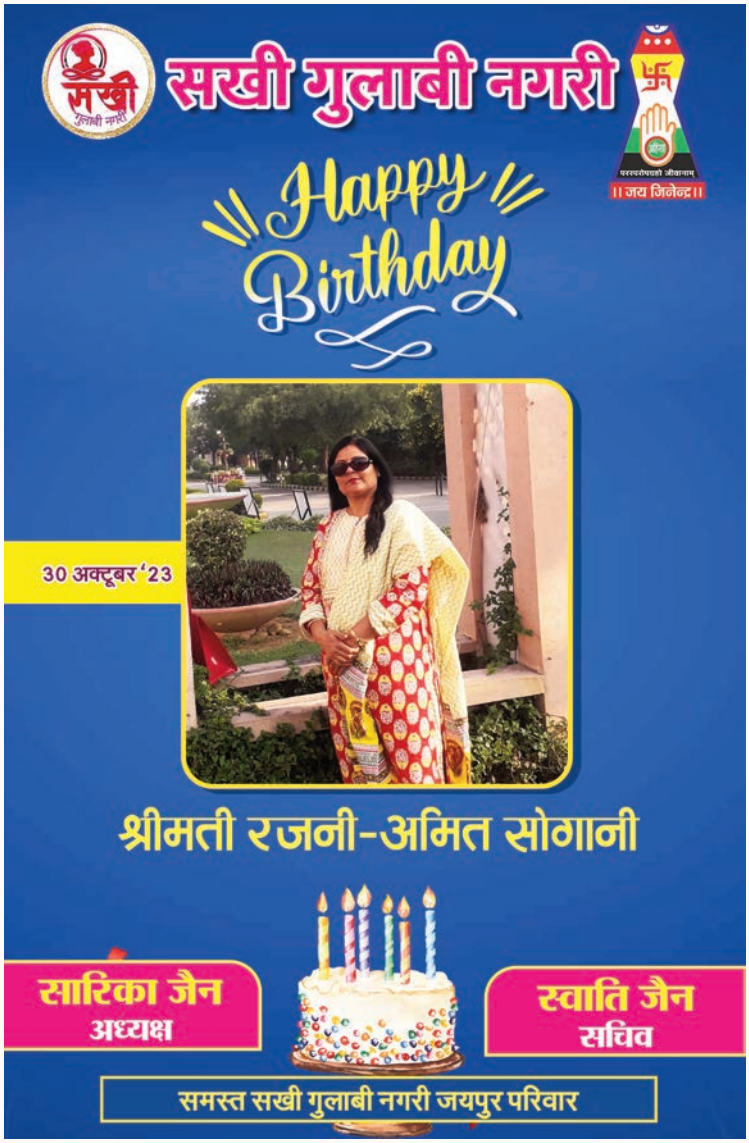

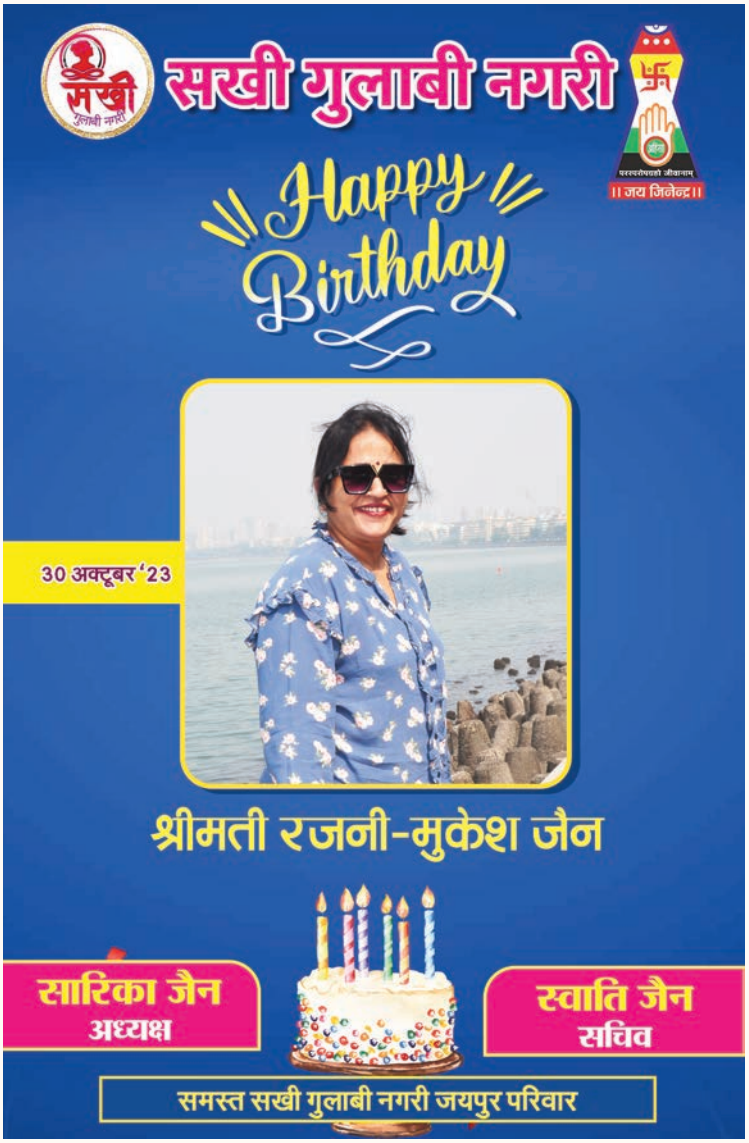

पिच्छि परिवर्तन पर विशेष

पिच्छिका मोर पंख ही क्यों?

जीव दया व संयम का उपकरणरूप है पिच्छिका

दिगंबर जैन साधु की पहचान मोर पंख की पिच्छी है। दीक्षा के समय आचार्य इस संयम के उपकरणरूप पिच्छिका को जीव दया पालन हेतु शिष्यों को देते हैं। पिच्छी मोर द्वारा छोड़े गए पंखों से निर्मित होती है। यह पिच्छि इतनी मुलायम होती है कि इससे किसी जीव को हानि नहीं पहुंचती। पिच्छि को प्रतिलेखन भी कहते हैं।

पिच्छि मोर पंख की ही क्यों

''प्राणियों में मोर ही अकेला एक ऐसा प्राणी है, जो ब्रह्मचर्य को धारण करता है। मोर जब प्रसन्न होता है तो वह अपने पंखो को फैला कर नाचते-नाचते मस्त हो जाता है, और उस विशेष समय मोर की आँखों से आँसू गिरते हैं। मोरनी तत्काल इन आँसू को पीती है तथा इन

आंसुओं से ही गर्भ धारण करती है।मोर में कही भी वासना का लेश भी नही होता है । कहते है की जिसके जीवन में वासना नहीं होती भगवान उसे शिरोधार्य कर लेते है।''

पिच्छि के गुण

उपलब्ध लेखों में पिच्छि के गुण बताए गए हैं...
धूलि को ग्रहण नहीं करना,
पसीने से मलिन नहीं होना,
मृदुता, सुकुमारता और लघुता।

आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी कह रहे हैं

जो द्वीन्द्रिय आदि प्राणी सूक्ष्म हैं वे चर्म चक्षु से नहीं दिखते हैं। इसीलिए जीवदया हेतु पिच्छी धारण करना चाहिए। मलमूत्र विसर्जन करना, रात्रि में सोया हुआ साधु जब उठकर बैठता है और पुनः सोता है, करवट बदलता है, हाथ पैर फैलाता है, इत्यादि कार्यों में यदि पिच्छी से परिमार्जन किये बिना ये क्रियाएँ करता है, तो नियम से जीव हिंसा होती है। नेत्र में घुमाने पर भी इससे पीड़ा ना होने से यह प्रतिलेखन सूक्ष्मत्वादि गुणयुक्त लघु पिच्छिका ग्रहण करना चाहिए। खड़े होने में, चलने आदि क्रियाओं में इस प्रतिलेखन से शोधन किया जाता है इसलिए स्वपक्ष में जैन मुनियों के चिन्ह में यह एक विशेष चिन्ह है।

वन्दन-अंजलि जोड़कर पिच्छि के साथ

मूलाचार, मूलाराधना, नीतिसार आदि प्राचीन दिगम्बर जैन ग्रंथों के आधार पर दिगम्बर मुनियों को मयूर पंख की पिच्छिका रखना सर्वथा अनिवार्य बताया गया है। जो साधु अपने पास पिच्छी नहीं रखते हैं उनके लिए शास्त्रों में प्रायश्चित का उल्लेख बताया गया है। साधु सामायिक, वंदना, भगवान व गुरुओं को नमस्कार आदि करते समय पिच्छिका सहित अंजलि जोड़कर ही वंदना करते हैं।

पिच्छिका परिवर्तन

साधु सामान्यतः वर्ष में एक बार अपनी पुरानी पिच्छि की जगह नयी पिच्छि बदलते है । पिच्छिका परिवर्तन सामान्यतः चातुर्मास के समापन के समय किया जाता है । यह उल्लेखनीय है की अपने अपने संघ के लिए संघ के सदस्य ही आपसी सहयोग से पिच्छिका तैयार करते है ।

पिच्छि किसको व किससे

साधु की तप साधना में सहयोगी , आहार विहार में सहयोगी , व्रत उपवास तथा श्रावकाचार के नियमो को पालन करने वाले संयम का महत्व समझने वाले श्रेष्ठ श्रावक का चयन कर साधु उसको अपनी पुरानी पिच्छि प्रदान करते है। इसी प्रकार साधु को नयी पिच्छि देने का सुअवसर भी ऐसे ही किसी सोभाग्यशाली श्रावक को मिलता है। संयम के उपकरण पिच्छि व कमण्डल धारी, चलते फिरते परमेष्ठियों को मैरा शत शत नमन, शत-शत वन्दन।

पदम जैन बिलाला, अध्यक्ष
श्री दिगंबर जैन मन्दिर
जनकपुरी - ज्योतिनगर, जयपुर

37वें नेशनल गेम्स में रोलबॉल खेल के लिए ख्याति राठौड़ का चयन

सीकर. शाबाश इंडिया। गोवा में होने वाले 37 वें नेशनल गेम्स में रोलबॉल खेल के लिए जिले से तीन खिलाडियों का चयन किया गया है। राजस्थान रोल बॉल संघ के कार्यकारी महासचिव महेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि पहली बार नेशनल गेम्स में शामिल हुए रोलबॉल में राजस्थान की पुरुष वर्ग टीम में नविराज सिंह शेखावत व मेहुल कुल्हरि एवं महिला वर्ग टीम में ख्याति राठौड़ का चयन हुआ हैं। चयनित खिलाड़ी 30 अक्टूबर से दो नवंबर तक मनोहर परिकर स्टेडियम, नवेलिम (गोवा) में होने वाले 37 वें नेशनल गेम्स में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

साकरोदा में श्रुतस्कन्ध विधान सम्पन्न

साकरोदा. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिग. जिनमंदिर साकरोदा में श्रीमती पुष्पा देवी व श्री हीरा लाल सिंघवी परिवार द्वारा श्रुतस्कन्ध विधान का दो दिवसीय आयोजन कराया। विधान उदयपुर के पं. डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री ' नौगामा के पं. अश्विन शास्त्री , उदयपुर से हितंकर शास्त्री द्वारा विधान कराया गया। सर्वप्रथम जिनमंदिर से जुलुस निकला। तत्पश्चात झंडारोहण की विधि पं. अश्विन शास्त्री द्वारा कराई गई। प्रातः डॉ. महावीर शास्त्री का द्वादशांग का स्वरूप पर प्रवचन हुआ। रात्रि में नानावटी द्वारा बच्चों की कक्षा, प्रवचन, श्राविका सभा का आयोजन हुआ। सिंघवी परिवार द्वारा वात्सल्य भोज भी दिया गया। इस अवसर पर उदयपुर 'कुराबड लकड़वास, अहमदाबाद, करावली आदि अनेक स्थानों से साधर्मियों ने भाग लेकर पुण्यार्जन किया।

जैन धर्म के 14वें तीर्थंकर भगवान अनन्त नाथ का मनाया गर्भ कल्याणक जोर-शोर से

राजाबाबू गोधा. शाबाश इंडिया

फागी। कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर,बीचला मंदिर,मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ जैन मंदिर, चंद्रप्रभु नसिया, चंद्रपुरी तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, के जिनालयों में आज जैन धर्म के 14 वें तीर्थंकर भगवान अनन्त नाथ क। गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ जोर शोर से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने मीडिया को अवगत कराया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, तथा पूजा के दौरान भगवान अनन्त नाथ के गर्भ कल्याणक दिवस पर सामूहिक रूप से भक्ति भाव के साथ अर्घ्य चढ़ाया गया, गर्भ कल्याणक दिवस पर सभी की सुख- समृद्धि एवं शांति की मंगलमय कामना की गई। कार्यक्रम में फागी जैन समाज के केलास कलवाडा,सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सुरेश सांघी, हरकचंद पीपलू, सुरेश मांदी,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,टीकम गिंदोडी,सोभाग सिंघल, रमेश बावड़ी,कन्हैया लाल सिंघल, रतननला,पारस नला, सुरेश डेठानी, शिखर मोदी, राजेंद्र कलवाडा,धर्म चंद पीपलू, महेंद्र बावड़ी, कमलेश सिंघल, धर्मचंद मोदी,विनोद मोदी,कमलेश चोधरी , त्रिलोक पीपलू, तथा राजाबाबु गोधा सहित सभी श्रावक जन उपस्थित थे।

चाहे जितनी संपदा जुटा लें सब यहीं छूट जाएगा साथ तो केवल धर्म ही जाएगाः इन्दुप्रभाजी म.सा.

अज्ञानी होते हैं वह जो संसार के दुःखों को सुख मान उनमें डूब जाते हैं: समीक्षाप्रभाजी म.सा., रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हमारी जिंदगी बढ़ नहीं रही बल्कि दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। ऐसे में हमे धर्मसाधना का जब भी अवसर मिले उसका पूरा लाभ ले। बीता हुआ समय लौट कर नहीं आता इसलिए जो समय गंवा चुके उसकी परवाह किए बिना अब जो समय बचा है उसमें अधिकाधिक धर्मसाधना कैसे कर सकते इस पर ध्यान रहना चाहिए। चातुर्मास के माध्यम से जिनवाणी श्रवण का जो अवसर मिला उसे नहीं छोड़े। याद रखे हमे चाहे जितना संपदा संग्रह कर ले पर धन कभी साथ नहीं जाने वाला तप व धर्म साधना से आत्मशुद्धि करने पर ही जीवन सार्थक होगा। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में रविवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में देव, गुरू व धर्म के प्रति हमारी श्रद्धा कम नहीं होनी चाहिए। हम अपनी पुण्यवानी मजबूत करते जाएंगे तो जहां कहीं भी पहुंचेगे वहां पाएंगे कि हमसे पहले

हमारे पुण्य वहां पहुंच गए जो हम कभी दुःख का अहसास नहीं होने देंगे। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना के पांचवें दिन तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने छठे अध्याय क्षुल्लक निर्ग्रन्थीय की चर्चा पूर्ण कर सातवें अध्याय औरभ्रीय की चर्चा की शुरू की। उन्होंने कहा कि हम जानते है कि जीवन पूर्ण के बाद केवल धर्म ही साथ जाएगा फिर भी हम अज्ञानी बनकर सांसारिक सुख पाने के लिए लड़ते-झगड़ते है ओर आत्मा को भूल जाते है। हम इसी अज्ञानात के चलते अनित्य को नित्य ओर असूची को सूची, संसार के दुःख को सुख मान लेते है। आत्मा को काया समझ लेते है जबकि काया तो यहीं रह कर आत्मा का साथ छोड़ देंगी। उन्होंने कहा कि कोई हमारी ज्यादा ही आवभगत कर रहा है तो सावधान हो जाए क्योकि इसके पीछे उसका कोई स्वार्थ है ओर हमारी नियति ह्यबलि के बकरेह्न वाली हो जिसमें बलि देने से पहले खिलाया-पिलाया जाता है। खाओ,पीओ मौज करो की सोच रखने वालों की हालत कष्टमय होती है। नियम व मयार्दा में चलने वालों को कष्ट नहीं मिलते। साध्वीश्री ने दृष्टान्त के माध्यम से समझाते हुए कहा कि हम अपने जीवन में अधिक धर्म नहीं कर सके तो कोई बात नहीं पर मानव जीवन की जो मूल पूंजी मिली है उसे तो सुरक्षित रखे। देव गति पाना मानव जीवन की पूंजी पर ब्याज कमाना है तो इस पूंजी को खत्म कर देने पर नरक व तिर्यंच गति की तरफ आगे बढ़ते है। हम ब्याज नहीं कमा पा रहे तो कोई बात नहीं कम से कम इतना प्रयास करे कि मूल पूंजी तो बरकरार रहे। उत्तराध्ययन आराधना के माध्यम से 13 नवम्बर तक उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। अस्वाध्याय काल के चलते रविवार को मूलगाथा का वाचन नहीं कर अर्थ का विवेचन किया गया। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है।

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्र प्रभु जी कूकस का 2 दिवसीय वार्षिक मेला संपन्न

कूकस,जयपुर. शाबाश इंडिया

कूकस स्थित श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्र प्रभु जी कूकस का 2 दिवसीय वार्षिक मेला रविवार को भगवान चंद्र प्रभु के जयकारों के साथ संपन्न हुआ। रविवार को प्रातः 24 तीर्थंकर भगवान की पूजा की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मध्य भगवान को पालकी में विराजमान करके अभिषेक स्थल पर लाया जहां श्रद्धालुओं के जयकारे के साथ प्रभु के कलशाभिषेक संपन्न हुए। क्षेत्र के अध्यक्ष बाबूलाल बाकलीवाल व मंत्री प्रदीप गोधा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक काला एवं अध्यक्ष सुभाष पाटनी (स्वप्न लोक रिजॉर्ट) का तिलक माला पहनाकर स्वागत किया। क्षेत्र के कार्याध्यक्ष सुनील पहाड़िया व मेला संयोजक सुरेंद्र गोधा ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनिल दीवान, महेश काला (राष्ट्रीय मंत्री अखिल भारतीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी) व पारस पाटनी (पार्षद) स्वागत किया। क्षेत्र प्रबंधकारिणी के सदस्यों ने अशोक चांदवाड व चेतन छाबड़ा का उनके उल्लेखनीय सहयोग के लिए सम्मान किया। इससे पूर्व शनिवार को चन्द्र प्रभु विधान पूजा की गयी। शनिवार रात्रि मे हुई भक्ति संध्या मे जयपुर के वरिष्ठ भजन गायक पूनम चंद गोधा ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित भजन प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। शरद पूर्णिमा पर देर रात्रि तक चले इस कार्यक्रम में अशोक पांडया, अरुण कोडीवाल मीनू सौगानी, नरेश बाकीवाला व श्री वीर संगीत मंडल के कलाकार अशोक गंगवाल व विमल पाटनी ने अपनी भजन प्रस्तुतियां दी।

चन्देरी में निकली श्री जी भव्य रजत विमान यात्रा

जगत कल्याण की कामना के लिए की महा शान्ति धारा, नृत्य गान करते हुए भक्तो ने विमान जी अर्चना की

चन्देरी मध्य प्रदेश. शाबाश इंडिया

श्री मद् जिनेन्द्र त्रय विमान महोत्सव का आयोजन आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका श्री 105 श्री विपूल मति माताजी विमुक्त मति माताजी ससंघ के सान्निध्य में इन्दौर से पधारे प्रतिष्ठा चार्य नितिन भाई के मंत्रोच्चार के साथ वार्षिक विमान महोत्सव का आयोजन किया जहां खडरजी तीर्थ पर पहुंच कर भगवान के वार्षिक कलाशाभिषेक किये गये वार्षिक विमान महोत्सव की शूरुआत हाटकापुरा जैन से हुई ये सौभायात्रा चौबीस जैन मन्दिर प्राचीन जैन मन्दिर होते हुए मैन वजार में पहुंच कर धर्म सभा में बदल गई।

धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है: माताजी

जहां आर्यिका श्री विपुल मति माताजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि वार्षिक विमान महोत्सव का गंधोदक सभी को लेना चाहिए धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है आज भौतिकता की चकाचौंध के वीच धर्म को संभाल कर रखना बड़ी चुनौती है आज वच्चो से लेकर बुजुर्ग तक को सीख देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है इस दौरान प्रतिष्ठा चार्य नितिन भ इया इन्दौर ने कहा कि आज पूरे अंचल के भक्तो का मेला लगा है दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मंत्री राजेन्द्र हलवाई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा थूवोनजी के आडिटर राजीव चन्देरी मनोज जैन पवन जैन पूरी कमेटी के साथ आयें

हम यहां भगवान के कलाशा भिषेक के साथ फूल मालाज्ञान के साथ दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की फूलमाल करने जा रहे हैं।

फूलमाल के साथ ज्ञान माल का हुआ आयोजन

थूवोनजी फूल माला अशोक कुमार नीलेश कुमार दीपक कुमार कडरया को लेने का सौभाग्य प्राप्त किया इसके साथ ही राकेश कठरया अविनाश कठरया राजीव वंसल दीपक सरावगी मुकुल चौधरी दीपक सराफ काव्यास दीपक जैन अर्हम सराफ अविनाश जैन अनिल सराफ अविनाश जैन राहुल कठरया को मुख्य पात्र वनकर भगवान के अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया इनका सम्मान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कक्का महामंत्री अविनाश जैन ने किया।

तीन विमान के साथ शोभायात्रा पहुंची खंदार जी

यह शोभायात्रा मैनबजार से मुख्य मार्ग अशोक नगर रोड किला रोड होते हुए खंदार जी पहुंच कर धर्म सभा में वदल गई शोभायात्रा में आगे आगे वैड वाजे उनके पीछे लालडेस में युवाओं कि टोली नृत्य गान करते हुए उनके पीछे वालिका मंडल डांडिया नृत्य करते हुए उनके पीछे सेवा दल का वैन्ड इसके बाद जय जय कार करते हुए समाज के प्रमुख जन आयिर्का संघ के साथ चल रहे थे उनके पीछे रजत विमान में विराजमान श्री जी की भक्त आरती उतार कर श्री फल भेंट कर रहे थे कलाशाभिषेक के बाद ये शोभायात्रा महावीर जिनालय पहुंची।

आचार्य नानेश की पुण्य स्मृति मे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

आनंद भवन मे 301 लोगों ने किया रक्तदान

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री अखिल भारतवर्षिय साधुमार्गी जैन संघ के मसीहा समता की मूर्ति आचार्य श्री नानेश की 24 वां पुण्य स्मृति दिवस व आचार्य रामेश का आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष मे महत्तम महोत्सव के अंतगर्त एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन पूरे भारत वर्ष मे साधुमार्गी जैन संघ,समता महिला मंडल व समता युवा संघ के तत्वावधान में रविवार 29 अक्टूबर को भारी उत्साह के साथ आनंद भवन मे सम्पन्न हुआ। दिनांक 29 रविवार को सुबह 10 बजे साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष श्री विनय जी रांका के मंगलाचरण की शुरूआत के साथ शुरू हुआ यह शिविर शाम 5 बजे तक मेवाडी गेट स्थित आंनद भवन पर चला। समता युवा संघ के अध्यक्ष प्रवीण बडौला महायंत्री अंकुश बोहरा ने बताया यह रक्तदान शिविर देश भर मे लगभग 500 जगह लगाया जा रहा है। युवा संघ के कार्यक्रता घर घर जाकर लोगो को रक्तदान करने की प्रेरणा दी व ज्यादा से ज्याद रक्तदान करे साथ ही रक्तदान महादान का महत्व समझाया गया। सामाज हित मे चलाओ ऐसा अभियान जिससे मिल जाए किसी को जीवन दान कोई भी मरीज रक्त की कमी से नही मरे। इस दोरान रक्तवीरो ने 301जनो व कपल मे रिशिका-अशुंल श्रीश्रीमाल ने रक्तदान दिया गया। इस शिविर के सयोजंक अभिषेक नाहटा, पीयुष बाबेल महेन्द्र लोढा,रोनक श्रीश्रीमाल, सिद्धार्थ श्रीश्रीमाल, अक्षत कुकडा,दिनेश बाबेल,मनीष बंट आदि थे। इस अवसर पर दुर्लभ जी होस्पिटल जयपुर ने युनिट,अमृत कौर अस्तपताल ब्यावर,राम स्नेह चिकित्सालय ब्लड सेंटर भीलवाडा, विध्यावती फाउण्डेश चैरीटेबल अजमेर फ्रिडम ब्लड सेन्टर ब्यावर,की टीम ब्लड डोनट लेकर गये। इस मौके पर साधुमार्गी जैन संघ व समता महिला मंडल समिति समता युवा संघ ब्यावर के सदस्य वरिष्ट उपाध्यक्ष चांदमल बडौला,गोतम बाबेल, ऐडवोकेट प्रवीण बुर्ड,सुरेश खीचा,दौलत बुर्ड,उतम श्रीश्रीमाल,शांतिलाल कुकडा,सुभाष लोढा, गोतम चौधरी,सुशिल मेहता,अशोक पाडलेचा, प्रेमचंद बांठिया,ज्ञान जी बंट राजू सेठिया,रविन्द्र मकाणा धर्मी चंद ओस्तवाल,ज्योली श्रीश्रीमाल,दिलिप बोहरा दिलिप श्रीश्रीमाल,रौनक श्रीश्रीमाल,सुधिर डेढिया,अभिषेक नाहटा,ऋषभ कांकरिया,अशोक बडौला,सतीश बाबेल,सुभाष कोठारी अरविंद मुथा आदि सदस्यो का सहयोग रहा वही महिला मंडल की सरक्षंक वीना नाहर,अध्यक्षा आशा बाबेल मंत्री रुची कोठारी,अनु गुलेछा,ललिता चौरडिया,विनिता बुर्ड,दीपिका नाबेडा,रुचिका आंचलिया,मनिषा आंचलिया अनिता मुणोत पुष्पा डुंगडवाल,स्नेहलता श्रीश्रीमाल,अनिता श्रीश्रीमाल व शशीकला डांगी प्रमिला बोहरा आदि कई सदस्या उपस्थित रहे। मंत्री अंकुश बोहरा ने बताया की शिविर मे रक्तवीरो का अनुमोदना करते हुए समाज सेवी शंकर सिंह रावत, पारस मल पंच,आशिश पाल पदावत,भवंर लाल बूला व संजय खण्डेलवाल महेन्द्र सिंह रावत आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

कुण्डलपुर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया

रत्नेश जैन ,राजेश रागी. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर, दामोह। सुप्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र कुंडलपुर में शरद पूर्णिमा पर परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 78 वां अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कुण्डलपुर कमेटी के जयकुमार जलज हटा ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः भक्तांमर महामंडल विधान, पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, विधान हुआ। आचार्य श्री की पूजन भक्ति भाव से की गई ।दोपहर में मिष्ठान वितरण किया गया । सायंकाल भक्तांमर दीप अर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की महाआरती तथा 78 दीपों से पूज्य आचार्य श्री की महा आरती श्रद्धालु भक्तों द्वारा की गई।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति हुई। अभिषेक, शांतिधारा ,रिद्धि कलश करने का सौभाग्य डॉ. धर्मेश सार्थक संगीता परिवार विदिशा, प्रकाश आलोक अभिषेक अरनव मोदी परिवार भाटापारा एवं शहपुरा भिटोनी, साहब महावीर बाकलीवाल औरंगाबाद, सतीश सूरज जैन अंबिकापुर को प्राप्त हुआ।

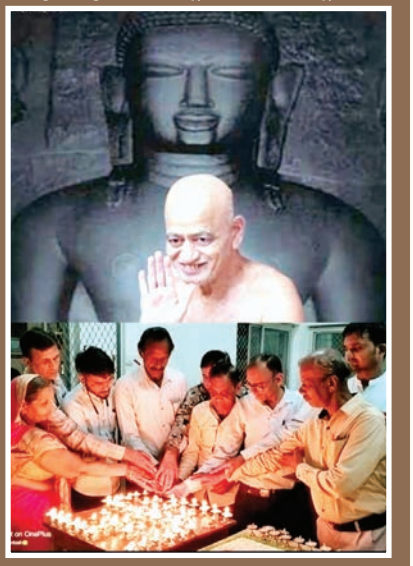

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर का गेट टू गेदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर, जयपुर की श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी शान्तिनाथ, सेक्टर तीन,मालवीय नगर में गेट टू गेदर कार्यक्रम संपन्न हुआ। सर्व प्रथम सभी सदस्य मंदिरजी में एकत्र हुये और भक्तामर का पाठ किया तथा भजन गाये ,फिर नाश्ते का लुफ्त उठाया व सभा की आगे की कार्रवाई प्रारंभ हुई। भगवान के चित्र का अनावरण श्रीमती निर्मला व एन के सेठी तथा दीप प्रज्ज्वलित श्रीमती मंजूशाह व अनिल शाह आबूजी वालों ने किया । इसके बाद मंगलाचरण श्रीमति मंजू बडज्याता, नवरतन ठोलिया व मंजू पाण्डया ने किया।अतिथियों केएस माला,दुपट्टा उढाकर स्वागत किया गया इसके पश्चात ग्रुप की प्रथम महिला डां शान्ति जैन ₹ मणि ₹ने सदस्यों को अनेक गेम खिलाये । सभी सदस्यों को माइन्स गेम खिलाया गया,जो लिखित था तथा एक मिनट में उत्तर देना था ।सदस्यों ने बडे मनोभाव से एटेन्ड किया,जिसमें मंजू बडज्याता प्रथम व मंजू शाह द्वितीय रही ।जिन्हें ग्रुप की तरफ से ग्रुप के कोषाध्यक्ष पारस व कार्याध्यक्ष सुरेश गंगवाल ने पुरस्कार दिया ।बाद में देशभक्ति व धार्मिक हाऊजी खिलाई व जीतने वाले सदस्यों को ग्रुप की तरफ से डां शान्ति जैन ₹ मणि ₹ ने पुरस्कार दिये ।अन्त में एक अन्य गेम में जीतने वाले चार सदस्यों को भी पुरस्कार दिये गये इसके बाद अगस्त से अक्टूबर माह में जन्में व इन्हीं महिनों में विवाह हुये सदस्यों का माल्यार्पण से स्वागत किया गया। समारोह में ग्रुप की मीटिंग भक्तामर के 26 वें काव्य से आरंभ हुई। इस मीटिंग में विभिन्न विषयों पर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श हुआ। अगली पांचवीं मीटिंग व भावी यात्राओं के बारे में सदस्यों ने अपनी राय बताई। अन्त में शान्तीपाठ के पश्चात सभा की कार्रवाई सम्पन्न हुई। ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन ''मणि'' ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया व सभी को लंच के लिए आमंत्रित किया। यह भोजन मंदिरजी की भोजनशाला में मुकेश जी बागायतवालों के निर्देशन में बना व खिलाया गया।

मैं दिन में कई बार पेशाब करने जाता हूँ, फिर भी मन में पेशाब करने की वहम बना रहता है जबकि मेरे सारे टेस्ट सामान्य हैं. क्या ऐसा संभव है कि यह कोई मानसिक बीमारी हो और यदि हाँ तो इसका इलाज क्या है या कहाँ पर इसका इलाज कराना चाहिए? मेरी उम्र 26 साल है...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

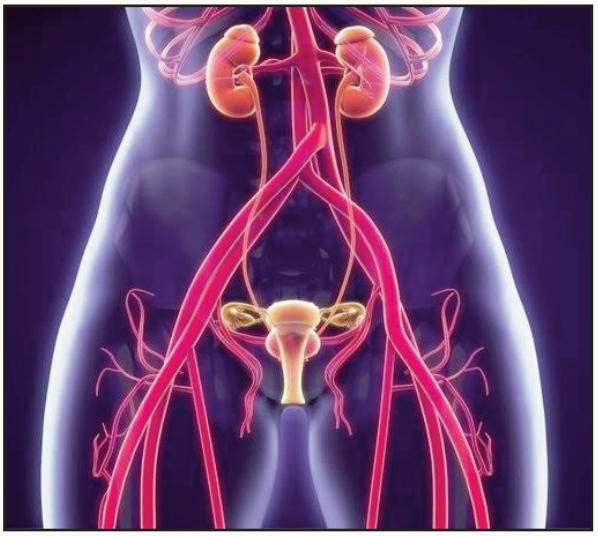

आपकी स्वास्थ्य समस्या जिसे आप महसूस कर रहे हैं, उसे ''अधिक पेशाब की इच्छा'' या ''अधिक पेशाब आने की स्थिति'' के रूप में जाना जाता है, जिसे मेडिकल टर्मिनोलॉजी में 'अधिक मूत्राशय आवेग' कहा जाता है। यह स्थिति कई कारणों से हो सकती है और आमतौर पर यह गंभीर नहीं होती। इसकी प्रमुख वजहों में से एक वजह यह हो सकती है कि आपकी पीठ में कोई मुद्दा हो, जो पेशाब करते समय आपको यह अहसास दिला रहा है। यदि आपने अभी तक किसी डॉक्टर से संपर्क नहीं किया है, तो पहले उनसे मिलना बेहतर होगा। डॉक्टर आपका शारीरिक जांच करेंगे, जैसे कि मूत्र जांच और संपादन की जांच, ताकि वह सही निदान लगा सकें। इस स्थिति का इलाज, जैसे कि उपचार या दवाओं की आवश्यकता, आपके लिए उस समस्या के कारण और गंभीरता पर निर्भर करेगा। डॉक्टर आपकी पूरी चिकित्सा जानकारी का अन्वेषण करेंगे और फिर आपको सही उपाय सुझाएंगे। इस स्थिति के साथ, आपको मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल भी करनी चाहिए। यह सामान्य बात है कि जब हम किसी स्वास्थ्य समस्या से गुजर रहे होते हैं, तो मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। इसलिए, अगर आप किसी चिंता, तनाव या दबाव का सामना कर रहे हैं, तो इसे अपने डॉक्टर से साझा करें। आपकी स्वास्थ्य समस्या का सही निदान और उपचार केवल एक पेशेवर चिकित्सक से ही हो सकता है, इसलिए जल्दी से जल्दी डॉक्टर से संपर्क करना बेहतर होगा।

विद्या सुधा जैन संस्कार पाठशाला से बच्चे हो रहे हैं सुसंस्कारित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पदमावती कॉलोनी, निर्माणनगर जयपुर में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्वान् पंडित राहुल जैन शास्त्री, विद्या-सुधा जैन संस्कार पाठशाला से बच्चों को सुसंस्कारित रहे हैं। पाठशाला संस्थापिका विमला ठोलिया जैन ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से 16 जून 2023 से गर्मियों की छुट्टियों में प्रथम बार स्थानीय बच्चों में धार्मिक संस्कार पाठशाला की शुरूआत की गई थी। इस बीच श्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला -अशोक पाटनी आर. के.मार्बल किशनगढ़ ने और जैन समाज के स्थानीय लोगों ने इसे अनवरत जारी रखने हेतु अपनी सहमति प्रदान की एवं इसकी उपयोगिता को देखते हुए नियम लिया की इसे हमेशा जारी रखा जायेगा और सभी समाज ने ने आर्थिक सहयोग भी दिया। मुझे बहुत खुशी है कि पाठशाला अपने उद्देश्य को निरन्तर प्राप्त कर रही है वर्तमान मे पाठशाला से लगभग 50 विद्यार्थी निरंतर ज्ञान प्राप्त कर रहे है । हमारा प्रयास है कि इस पाठशाला में आस पास की कॉलोनियों के बच्चे भी धार्मिक संस्कार ले रहे है,बच्चों को बचपन से धार्मिक संस्कार देने से जिम्मेदार और सुसंस्कारीत नागरिक बनते हैं।मन्दिर समिति के सदस्य मनीष बड़जात्या ने बताया कि मन्दिर को बने अभी चार साल का समय ही हुआ है। मन्दिर निर्माण में स्थानीय 35 घरों के सदस्यों ने उल्लेखनीय सहयोग कर भव्य मंदिर बना धर्म प्रभावना को बढ़ाने में निरंतर अग्रसर है। अभी हाल ही में मन्दिर के पास ही एक प्लॉट और खरीदा है। पाठशाला में अमित जैन तिजारा वाले, डा सुनील जैन, सन्तोष कुमार जैन, निधि बड़जात्या, प्रमिला सेठी जैन, सन्तोष देवी जैन, किरण जैन आदि निष्ठापूर्वक उल्लेखनीय सेवाएं दे रही है। पाठशाला संस्थापिका विमला ठोलिया जैन जिस प्रकार धार्मिक पाठशाला में तन, मन और धन से सेवा कर रही है उसी प्रकार तेईस वर्षों से भगवान महावीर केंसर अस्पताल और कई संस्थाओं में सेवाएं दे रही है। जिस के लिए कई कई बार विमला ठोलिया सम्मानित होती रहती है। पदमावती कॉलोनी जैन समाज को विमला सेठिया जैन पर गर्व है। इस महत्वपूर्ण कार्य मे मंदिर की कमेटी का महत्वपूर्ण सहयोग व दिशा निर्देशन समय समय पर मिल रहा है जिससे आने वाले समय मे यह पाठशाला जयपुर की सर्वश्रेष्ठ पाठशाला बनकर जैन समाज को गौरवन्वित करेगी।